[This question Paper contains 2 printed pages.]

Roll No. : Unique Paper Code: Title of the Paper:	 121301201 CC 201: दर्शन: न्याय एवं वेदान्त Darśana: Nyāya & Vedānta)
Name of the Course:	MA Sanskrit LOCF Examination, May 2023
	II
Semester:	03 HRS
Duration: Maximum Marks:	70

इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊंपर दिए गए निर्धारित स्थान,पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit or Hindi or in English.

अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा अंग्रेजी किसी एक भाषा में

दीजिए ।

7x4 = 28

 निम्नलिखित की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : Explain the following with reference to the context:

(क) यत्तु कश्चिदाह- 'कार्यानुकृतान्वयव्यतिरेकि कारणम्' इति। तदयुक्तम्। अथवा / Or

इन्द्रियार्थयोस्तु यः सन्निकर्ष: साक्षात्कारिप्रमाहेतु: स षड्विध एव।

(ख) तच्चानुमानं द्विविधम्। स्वार्थं परार्थं चेति।

## अथवा / Or

वादिप्रतिवादिनो: सम्प्रतिपत्तिविषयोऽर्थो दृष्टान्त:।

(ग) एतत्कोशत्रयं मिलितं सत्सूक्ष्मशरीरमित्युच्यते।

अथवा / Or

"द्विधा विधाय चैकैकं चतुर्धा प्रथमं पुनः ।

स्वस्वेतरद्वितीयांशैर्योजनात्पञ्चपञ्च ते" इति॥

## (घ) एवमस्याङ्गिनो निर्विकल्पकस्य लयविक्षेपकषायरसास्वादलक्षणाश्चत्वारो विघ्नाः सम्भवन्ति। अथवा / Or

1

श्रवणं नाम षड्विधलिङ्गैरशेषवेदान्तानामद्वितीये वस्तुनि तात्पर्यावधारणम्।

 निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए जिसमें से एक संस्कृत में हो: Write notes on the following in which one should be in Sanskrit:

5+5+5+7=22

WITTE HOLES ON the rollon mb		0
(क) अयुतसिद्ध	अथवा/or	अन्यथासिद्ध
(1) 13	*	<b>D</b>
(ख) अवयव	अथवा/or	सिद्धान्त

(ग) अध्यारोप (घ) फलव्याप्ति अथवा/or अथवा/or अपवाद वृत्तिव्याप्ति

- 3. (क) तर्कभाषा के अनुसार 'अनुमान- प्रमाण' अथवा 'हेत्वाभास' का विवेचन कीजिए। Discuss Anumāna pramāṇa or Hetvābhāsa according to Tarkabhāṣā.
- 4. वेदान्तसार के अनुसार अज्ञान एवं उसकी शक्तियों का विवेचन कीजिए। Discuss ignorance and its powers according to Vedāntasāra. अथवा / or

वेदान्तसार के अनुसार 'जीवन्मुक्त' के स्वरूप का निरूपण कीजिए। Explain the concept of 'Jīvanmukta' according to Vedāntasāra. 10

10